euvy&17

अन्य सूचनाऐं जो विहित हैं

स्टेट वाटर एण्ड सैनीटेशन मिशन, उत्तराखण्ड रूरल वाटर सप्लाई एण्ड सैनीटेशन मिशन, स्वजल परियोजना

अन्य सूचनाऐं जो विहित हैं

वित्तीय वर्ष 2019–20 में माह सितम्बर 2019 तक की स्वजल परियोजना द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति

egRoi.kZ xfrfof/k;k¡

i. LoPN egksRlo 2019

महामहिम राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द द्वारा दिनांक 6 सितम्बर 2019 को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में स्वच्छ भारत पुरस्कारों का वितरण किया गया। भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा आयोजित स्वच्छ महोत्सव 2019 का आयोजन किया गया जो कि 2 अक्टूबर 2019 को महात्मा गांधी के 150वीं जन्मतिथि के तत्वाधान में है। इस अवसर पर श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत माननीय केन्द्रीय मंत्री जल शक्ति, श्री रत्तन लाल कटारिया राज्य मंत्री जल शक्ति, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण, श्री परमेश्वरन अय्यर सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, भारत सरकार उपस्थित थे।

इस महोत्सव का मूल उददेश्य अधिक से अधिक परिवारों द्वारा शौचालयों के उपयोग को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर सम्पूर्ण देश से 1300 स्वच्छता चैम्पियनों, एन0सी0सी0 कैडेटो, स्वच्छाग्राहियों, सरपंचो, राज्यों के प्रतिनिधियों, विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों के माननीय मंत्रियों एवं मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

उत्तराखण्ड राज्य ने स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण के अन्तर्गत 07 मुख्य अवार्ड प्राप्त कर टॉप पर रहा। उत्तराखण्ड को श्रेष्ठ राज्य का अवार्ड भी मिला है। नमामि गंगे कार्यक्रम में काम कर रहे 05 राज्य अवार्ड की अलग–अलग श्रेणियों के लिए प्रबल दावेदार थे पर उत्तराखण्ड राज्य ने हर श्रेणी में अपना बेहतरीन प्रदर्शन कर 7 अवार्ड प्राप्त किए। इस अवसर पर राज्य की ओर से श्री आशीष चौहान, जिलाधिकारी उत्तरकाशी, श्री उदय राज सिंह, परियोजना निदेशक स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण, श्री डी0आर0जोशी अपर निदेशक, स्वजल के साथ–साथ प्रधान अजीतपुर, ग्राम प्रधान बगोरी, महिला स्वच्छाग्रामी श्रीमती गीता मौर्या एवं स्वजल की टीम उपस्थित थी।

उत्तराखण्ड राज्य से विभिन्न श्रेणियों में निम्नानुसार पुरस्कार दिये गयेः–

1- Js"B jkT;& mRRkjk[k.MA
2- Js"B tuin& mRRkjdk'khA
3- LoPN vkbZdkfud LFky ¼rhFkZ;kh pj.k½& xzke ek.kk] tuin peksyhA
4- Js"B uekfe xaxs xzke& vtheriqj] tuin gfj}kjA
5- Js"B xaxk xzke& cxksjh] tuin mRRkjdk'khA
6- efgyk pSfEi;u Jh.kh ¼jk"Vªh; Lrj½& Jherh xhrk ekS;kZ] v/;{k] 'kfDr Lo;a lgk;rk lewg] lglisj] ngjknwu
7- LoPN Hkkjr lej bUVuZf'ki 2019& Jh pUnz izdk'k] Hkkjrh; 'kghn lSfud fo|ky;] uSuhrky

माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत उत्तराखण्ड को 7 राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। उत्तराखण्ड की ओर से सम्मानित होने वाले प्रतिनिधियों ने सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, उत्तराखण्ड शासन के नेतृत्व में माननीय मुख्यमंत्री जी से भेंट की। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वच्छ भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचान के लिए सभी को स्वच्छता अभियान में सहयोग करना होगा। कोई भी अभियान जन सहभागिता से ही पूरा हो सकता है।

उत्तराखंड को स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत 07 राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर उत्तराखंड की ओर से सम्मानित होने वाले प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से भेंट की। दिनांक : 07 सितम्बर, 2019

ii. LoPN Io{k.k&2019 % दिनांक 30–31 अगस्त 2019 को उप सचिव एवं निदेशक (स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण), पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण –2019 के अन्तर्गत जनपद देहरादून के ग्राम पंचायत धूलकोट विकासखण्ड सहसपुर, ग्राम पंचायत रानी पोखरी मौजा विकासखण्ड डोईवाला, ग्राम पंचायत पाव वाला सोडा, विकासखण्ड रायपुर का भ्रमण किया गया जिसके दौरान उनके द्वारा स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण के अन्तर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन गतिविधियों का वृहद निरीक्षण किया गया साथ में ग्रामीण समुदाय, स्कूल विद्यालय, पंचायती राज संस्थाओं के साथ गोष्ठी का आयोजन कर विभिन्न गतिविधियों के बारे में चर्चा की गयी। ग्राम पंचायत धूलकोट राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बच्चों के साथ वृह्द वृक्षारोपण किया गया। साथ ही कूड़ा प्रबन्धन हेतु ई–रिक्शा का शुभारम्भ किया गया। उक्त अवसर पर अपर निदेशक, स्वजल, अधिशासी अभियन्ता, राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन, पी0एम0यू0 में कार्यरत सामुदायिक विकास विशेषज्ञ, प्रचार एवं प्रशिक्षण विशेषज्ञ, डी0पी0एम0यू0 देहरादून के सलाहकारों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

ग्राम पंचायत पाव वाला सौडा, विकासखण्ड रायपुर में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन गतिविधियों का निरीक्षण

iii. राज्य स्तरीय टीम द्वारा स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण के अन्तर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन गतिविधियों के निरीक्षण हेतु जनपद पौड़ी के ग्राम पंचायत असकर एवं चमोली में ग्राम पंचायत तिरपाक एवं उलाडी का निरीक्षण किया गया एवं बैठक का आयोजन किया गया जिसमें समस्त ग्रामीणों के साथ परियोजना कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जनपद चमोली की ग्राम पंचायत थिरपाक एवं असगढ़ में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन एवं जल सरंक्षण –संवर्धन सम्बन्धी गतिविधियाँ

iv. प्रत्येक वर्ष की भांति वर्तमान वर्ष में भी जल संचय अभियान दिनांक 25 मई से 30 जून तक संचालित किया जा रहा है जिसमें जल संचय सम्बन्धी जन –जागरूकता गोष्ठी, रैली, नुक्कड नाटक, साहित्य वितरण, दीवार लेखन, जल चेतना रथों का संचालन आदि कार्य सम्पादित किये जा रहे है। इस अवसर पर देहरादून में डोईवाला ब्लाक की ग्राम पंचायत मारखम ग्रान्ट के पंचायती भवन में जल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जल संचय की महत्ता पर जोर दिया गया। साथ ही जल चेतना रथ भी समस्त जनपदीय क्षेत्रों हेतु रवाना किए गये।

v. माह अप्रैल 2019 को सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत द्वारा जनपद अल्मोडा के भैंसियाछाना ब्लाक की ग्राम पंचायत पूनाकोट के ग्राम पातालदेव का भ्रमण किया गया एवं ग्राम में चल रही ओ0डी0एफ0 प्लस एवं ठोस तथा तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्यों का निरीक्षण किया गया।

vi. माह अप्रैल 2019 में अधिशासी अधिकारी, नमामि गंगे, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जनपद हरिद्वार के ग्रामों क्रमशः भोगपुर एवं अजीतपुर में नमामि गंगे के अन्तर्गत कराये गये कार्यों की समीक्षा की गयी।

vii. दिनांक 25–26 अप्रैल 2019 को पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में राज्यों के मिशन निदेशकों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उददेश्य ओ0डी0एफ0 प्लस कार्यो के चिन्तरता मानको, गुणवत्ता एवं योजनाओं हेतु प्राथमिकताओं का निर्धारण करना था। इस अवसर पर राज्य की ओर से राज्य समन्वयक (स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण), एम0आई0एस0 विशेषज्ञ, प्रशिक्षण एवं संचार विशेषज्ञ एवं पर्यावरण विशेषज्ञ द्वारा प्रतिभाग किया गया।

viii. राज्य में जल स्रोत मैपिंग का कार्य स्वजल परियोजना विकसित वैबसाईट sourceinfo.swajaluk.in पर किया जा रहा है, जिसमें जल स्रोत का जियो टैग लोकशन, स्राव मापन, जल गुणता इत्यादि मानकों को संकलित किया जा रहा है। स्वजल द्वारा अब तक 5524 जल स्रोतों की मैपिंग उत्तराखण्ड जल संस्थान व उत्तराखण्ड पेयजल निगम के सहयोग से कर ली गई है।

ix. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत राज्य में स्वच्छता के स्तर को बनाये रखने हेतु खुले में शौच की प्रथा से मुक्त स्थिति को स्थायित्व देने हेतु 'स्वजल पाठशाला' में राज्य के जनपदों में कार्यरत आशा कार्यकत्रियों तथा आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। माह तक आयोजित विभिन्न स्वच्छता जागरूक्ता तथा ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन से सम्बन्धित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में क्रमिक 5219 आशा/आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

1- LoPN Hkkjr fe'ku ¼xzkeh.k½

- o"kZ 2019&20 esa Hkkfrd izxfr ¼fnukad 14 vDVwcj 2019 dks ddws dh osclkbV ds vuqlkj½

en	Y{; (AIP ds vuqlkj½	izxfr
बेसलाइन सर्वेक्षण–2012 में छूटे परिवारों हेतु व्यक्तिगत घरेलू शौचालय निर्माण (LoB)(funded through EBR fund)	22451	13503 (approved) निर्मित
बेसलाईन सर्वे–2012 के पश्चात बढ़े हुए परिवारों हेतु व्यक्तिगत घरेलू शौचालय निर्माण (funded through Performance Based Incentive Grant, Self, CSR,	-	6052 (approved) निर्मित

en	Y{; (AIP d vulkj½	ixfr
MNREGS)		
सामुदायिक स्वच्छता काम्प्लेक्स	1022	137 (approved) निर्मित
ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्य	2746 ग्राम पंचायतें	• वित्तीय वर्ष 2019–20 में 333 ग्राम पंचायतों में कार्य पूर्ण हो गया है तथा अन्य में कार्य गतिमान है। • इस प्रकार अद्यतन कुल 3202 ग्राम पंचायतों में कार्य आरम्भ किया गया जिनमें से आतिथि तक 646 ग्राम पंचायतों में कार्य पूर्ण किया गया, 2280 (गत वर्ष की ग्रा0पं0 सहित) ग्राम पंचायतों में कार्य गतिमान है एवं 264 ग्राम पंचायतों में कार्य शीघ्र कार्य प्रारम्भ किया जायेगा एवं 12 ग्राम पंचायतें ड्राप कर दी गयी हैं।

foRrh; ixfr & foRRkh; o"k 2019&20 e ¼ekg flrEcj 2019 rd½ R ykk[k e

	fnukd 1 vily 2019 dk vo'k"k /kujkf'k	Hkkjr ljdkj }kjk voeDr /kujkf'k	jkT; ljdkj }kjk voeDr /kujkf'k	vU; ikfIr;k ¼Ikenkf;d vi'knku] C;kt vkfn½	dy miyC/k /kujkf'k	vfxe	okLrfod 0;;	dy 0;; ¼okLrfod 0;; $ vfxe½	vo'k"k /kujkf'k
SBM(G)+ EBR	7692.91	0.00	0.00	368.70	8061.61	(-) 1488.08	6464.54	4976.46	3085.15
100% Performance Based Incentive Grant (SBM-G)	1205.51	5023.20	0.00	21.29	6250.00	586.62	164.19	750.81	5499.20
Swajal Directorate (Administrative component)	275.63	0.00	100.00	0.40	376.03	0.12	358.83	358.95	17.08

LoPN Hkkjr fe'ku ¼xkeh.k½ d vUrxr {kerk fodkl xfrfof/k;k dh Hkkfrd ixfr

गतिविधियॉ	**वर्ष 2019–20**	
	सं0	**प्रति0**
कार्यशाला	8	362
प्रशिक्षण	28	528
बैठकों का आयोजन	112	2230
बुकलेट / पम्फ्लेट / पत्र आदि का वितरण	105679	
विभिन्न आई0ई0सी0 गतिविधियॉ (नुक्कड नाटक, मेले, स्टॉल)	10448	-
कार्यक्रम सम्बन्धी बैनर	446	ग्राम / ब्लाक / जनपद स्तर
स्कूल रैली	48	
रेडियो स्पॉट्स / टीवी डाक्यूमेंट्री का प्रसारण	1	

¼2½ uekfe xxk dk;Zde

- Ukekfe xxk dk vUrxZr गंगा नदी अथवा इसकी सहायक नदियों के किनारे अपस्थित गढवाल मंडल के कुल 07 जनपदों की 132 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 132 xzke iapk;rksa esa 133 Mh0ih0vkj0 तैयार की जा चुकी की जिसकी कुल लागत ₹ 2286.557 लाख है (नमामि गंगे अंश ₹ 1354.73 लाख तथा रेखीय विभागों का अंश ₹ 931.825 लाख) है। माह तक कार्यों हेतु ग्राम पंचायतों को क्रमिक कुल रू0 931.004 लाख अग्रिम के रूप में दिए गये हैं जिसके सापेक्ष क्रमिक कुल रू0 741.767 लाख व्यय किए जा चुके हैं। उक्त के सापेक्ष कुल 83 ग्राम पंचायतों (वर्तमान वित्तीय वर्ष में 19) में कार्य पूर्ण किया गया है, 40 ग्राम पंचायतों में कार्य गतिमान है एवं 10 ग्राम पंचायतों में कार्य शीघ्र प्रारम्भ किया जायेगा।

- **foRrh; izxfr & foRRkh; o"kZ 2019&20 esa ¼ekg flrEcj 2019 rd½ ₹ yk[k esa**

fnukad 1 vizSy 2019 dks vo'ks"k /kujkf'k	jkT; lsDVj }kjk voeqDr /kujkf'k	dsUnz lsDVj }kjk voeqDr /kujkf'k	lkeqnkf;d va'knku] C;kt ,oa vU; izkfIr	dqy miyC/k /kujkf'k	vfxze	okLrfod O;;	dqy O;; ¼okLrfod O;; $ vfxze½	vo'ks"k /kujkf'k
854.735	0.000	0.000	1.767	856.502	-148.153	221.234	73.081	**783.421**

¼3½ jk"Vªh; xzkeh.k isa;tyfdk;ZØe ¼,u0vkj0Mh0MCY;w0ih0½ &Qyw,Dlh Q.M dk vUrxZr lzksr lLVsufcfyVh

- उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य की क्रमिक 104 ग्राम पंचायतों में 110 स्रोत संवर्धन योजनाओं के अन्तर्गत कार्य किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। क्रमिक कुल 70 योजनाओं (वित्तीय वर्ष में 45) में कार्य पूर्ण, 39 योजनाओं में कार्य गतिमान हैं एवं 02 योजनायें ड्राप कर दी गयी हैं। योजनाओं में चैकडैम, डगपौण्ड/चालखाल, रिसावदार टैंक, रिचार्ज पिट, कन्टूर ट्रैंच, कूली वालिंग, वृक्षारोपण एवं अन्य जीर्णोद्धार के कार्य कराये गये हैं एवं वर्तमान में भी गतिमान हैं।

- **foRrh; izxfr & foRRkh; o"kZ 2019&20 esa ¼ekg flrEcj 2019 rd½ ₹ yk[k esa**

fnukad 1 vizSy 2019 dks vo'ks"k /kujkf'k	jkT; lsDVj }kjk voeqDr /kujkf'k	dsUnz lsDVj }kjk voeqDr /kujkf'k	C;kt vkfn	dqy miyC/k /kujkf'k	vfxze	okLrfod O;;	dqy O;; ¼okLrfod O;; $ vfxze½	vo'ks"k /kujkf'k
302.977	0.000	0.000	0. 929	303.906	2.966	75.376	78.342	225.564

¼4½ Lotty 2-0 dk vUrxZr vfHkyk"kh tuinks (Aspirational Districts) esa p;u

पेयजल योजनाओं का चयन– नीति आयोग द्वारा चिह्नित 117 अभिलाषी जनपदों (Aspirational Districts) हेतु कल्पना की गई है, जो कि मांग आधारित एकल गांव, सौर ऊर्जा संचालित पाइप जलापूर्ति योजनाओं के रूप में है। उत्तराखंड के दो जनपदों हरिद्वार और उधम सिंह नगर 117 चिन्हित अभिलाषी जनपदों में से हैं। अभिलाषी जनपद वे जनपद हैं जहाँ पाइप जलापूर्ति योजनाओं से बस्तियों का कवरेज 25% से कम है। इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा जारी दिशानिर्देश स्वजल 2.0 कार्यक्रम के अनुसार योजनाओं में पूंजीगत लागत का 10% तथा न्यूनतम 03 वर्षों के संचालन और रखरखाव लागत भी संबंधित ग्राम पंचायत/समुदाय द्वारा वहन किया जाना है।

वर्ष 2019–20 हेतु जनपद हरिद्वार एवं उधम सिंह नगर की कुल 12 योजनाओं का लक्ष्य राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्धारित किया गया है। उपरोक्त सभी 12 योजनायें सौर ऊर्जा चलित मिनी पम्पिंग पेयजल योजनायें हैं, जिनकी डी.पी.आर. गठित कर टी.ए.सी. की जा चुकी है। सभी योजनाओं हेतु संबंधित ग्राम

पंचायतों द्वारा योजना लागत का 10 प्रतिशत अंशदान तथा 01 वर्ष का वार्षिक रखरखाव व्यय जमा कर लिया गया है। योजनाओं हेतु ई–निविदायें आमंत्रित की गयी हैं।

¼5½ xkcj /ku ;ktuk &पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 30 अप्रैल, 2018 को करनाल, हरियाणा में गोबर–धन योजना का शुभारम्भ किया गया है। वर्तमान तक कुल 03 जनपदों – नैनीताल के रामनगर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत जोगीपुरा, उधम सिंह नगर के सितारगंज विकासखण्ड के ग्राम पंचायत सलमत्ता एवं हरिद्वार के विकासखण्ड रूड़की के ग्राम पंचायत सुल्तानपुर का चयन गोबर्धन योजना हेतु किया गया है। अन्य जनपदों में भौगोलिक परिस्थितियों के कारण सामुदायिक बॉयोगैस क्रियान्वयन में कठिनाई होने के कारण चयन नही किया जा सका। राज्य स्तर पर Technical Agency का चयन ¼mtk ck;kflLVe ik0 fy0 iuk ,o ,DlhyUV fjuocy ik0fy0 xtjkr½ किया गया है। ,DlhyUV fjuocy ik0fy0 xtjkr½ द्वारा वर्तमान में कार्य करने हेतु असमर्थता व्यक्त की गयी है। जनपद नैनीताल एवं उधम सिंह नगर की चयनित ग्राम पंचायतों, जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई एवं Technical Agency के मध्य अनुबन्ध हस्ताक्षरित हो गया है एवं जनपदीय स्तर से कार्यों हेतु शीघ्र ही धनराशि अवमुक्त किए जाने की कार्यवाही गतिमान है।